

**Model Answer**

**Que. "Discuss the role of revolutionary movements in India's freedom struggle. How did their methods and ideology differ from the mainstream nationalist movements?"**

Revolutionary movements played a pivotal role in India's struggle for independence by inspiring courage, nationalism, and resistance against British colonial rule. These movements emerged as a response to the limitations of moderate and non-violent approaches of the mainstream nationalist leaders.

**Role of Revolutionary Movements**

1. **Awakening Nationalism and Courage:**
  - Revolutionaries like Bhagat Singh, Chandrashekhar Azad, and Khudiram Bose inspired youth to fight for independence.
  - Their actions infused a sense of urgency and determination in the freedom struggle.
2. **Challenging British Authority:**
  - Armed resistance and targeted attacks on British officials disrupted the colonial administration.
  - Examples: Assassination of Saunders by Bhagat Singh and Rajguru (1928) and the Kakori Train Robbery (1925).
3. **Focus on Social and Economic Justice:**
  - Influenced by ideologies like socialism and Marxism, revolutionaries envisioned a just and equitable society.
  - Example: The Hindustan Socialist Republican Association (HSRA) emphasized an egalitarian order.
4. **Promoting Fearlessness through Sacrifice:**
  - Acts of supreme sacrifice by revolutionaries, like Bhagat Singh's execution in 1931, inspired the masses to challenge British oppression.
5. **Complementing Mainstream Movements:**
  - Their revolutionary activities pressured the British to address Indian demands, complementing non-violent nationalist efforts.

**Differences in Methods and Ideology**

| Aspect                    | Revolutionaries  | Mainstream Nationalists  |
|---------------------------|--|--|
| <b>Methods</b>            | Armed struggle, assassinations, bombings, and robberies. | Peaceful protests, petitions, satyagraha, and negotiation.         |
| <b>Ideology</b>           | Influenced by socialism, Marxism, and anti-imperialism.  | Focused on self-rule or dominion status (later full independence). |
| <b>Mass Participation</b> | Limited to youth and radical groups.                     | Wide participation across all sections of society.                 |
| <b>Key Leaders</b>        | Bhagat Singh, Chandrashekhar Azad, Khudiram Bose.        | Gandhi, Nehru, Patel, and others.                                  |
| <b>Objective</b>          | Overthrow British rule through armed resistance.         | Gradual independence through constitutional means.                 |

**Key Challenges Faced by Revolutionaries**

- **Limited Support:** Their radical methods often alienated moderate leaders and the masses.
- **Repression by British:** Harsh crackdowns, including executions and deportations, weakened revolutionary groups.

- **Resource Constraints:** Lack of funds and coordination hindered large-scale actions.

#### **Legacy of Revolutionary Movements**

- Revolutionaries inspired future generations with their courage and sacrifices.
- Their ideology of justice and equality influenced post-independence socio-economic policies.
- Acts of resistance like the Assembly Bombing (1929) by Bhagat Singh and Batukeshwar Dutt remain symbolic of the fight for freedom.

While revolutionary movements differed in methods and ideology from mainstream nationalist efforts, they shared the common goal of ending British colonial rule. Their fearless actions and sacrifices not only complemented the larger freedom struggle but also left a lasting legacy of patriotism and resilience in India's history.

**प्रश्न. भारत के स्वतंत्रता संग्राम में क्रांतिकारी आंदोलनों की भूमिका पर चर्चा करें। उनकी विधियों और विचारधारा में मुख्यधारा के राष्ट्रवादी आंदोलनों से क्या अंतर था?"**

क्रांतिकारी आंदोलनों ने साहस, राष्ट्रवाद और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ प्रतिरोध प्रेरित कर भारत के स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ये आंदोलन मुख्यधारा के राष्ट्रवादी नेताओं के उदारवादी और अहिंसक दृष्टिकोण की सीमाओं के जवाब के रूप में उभरे।

### क्रांतिकारी आंदोलनों की भूमिका

- **राष्ट्रवाद और साहस की जागृति:**
  - भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद और खुदीराम बोस जैसे क्रांतिकारियों ने युवाओं को स्वतंत्रता की लड़ाई हेतु प्रेरित किया।
  - उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में तत्परता और दृढ़ संकल्प की भावना पैदा की।
- **ब्रिटिश सत्ता को चुनौती:**
  - सशस्त्र प्रतिरोध और ब्रिटिश अधिकारियों पर लक्षित हमलों ने औपनिवेशिक प्रशासन को बाधित किया।
  - उदाहरण: भगत सिंह और राजगुरु द्वारा सॉन्डर्स की हत्या (1928) और काकोरी ट्रेन डकैती (1925)।
- **सामाजिक और आर्थिक न्याय पर ध्यान:**
  - समाजवाद और मार्क्सवाद जैसी विचारधाराओं से प्रभावित होकर क्रांतिकारियों ने एक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज की कल्पना की।
  - उदाहरण: हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (एचएसआरए) ने समतावादी व्यवस्था पर जोर दिया।
- **त्याग द्वारा निर्भयता का प्रचार:**
  - 1931 में भगत सिंह की फांसी जैसे क्रांतिकारियों के सर्वोच्च बलिदान ने जनता को ब्रिटिश दमन को चुनौती देने के लिए प्रेरित किया।
- **मुख्यधारा आंदोलनों का कार्यान्वयन:**
  - क्रांतिकारी गतिविधियों ने अंग्रेजों पर भारतीय मांगों को पूरा करने के लिए दबाव डाला, जो अहिंसक राष्ट्रवादी प्रयासों के पूरक थे।

### पद्धतियों एवं विचारधारा में अंतर

| पहलू        | क्रांतिकारी  | राष्ट्रवादी   |
|-------------|--|---|
| पद्धति      | सशस्त्र संघर्ष, हत्या, बम विस्फोट और डकैती।            | शांतिपूर्ण विरोध, याचिकाएँ, सत्याग्रह।  |
| विचारधारा   | समाजवाद, मार्क्सवाद और साम्राज्यवाद-विरोध से प्रभावित। | स्व-शासन या प्रभुत्व की स्थिति (बाद में पूर्ण स्वतंत्रता) पर ध्यान केंद्रित किया। |
| जन भागीदारी | युवा एवं कट्टरपंथी समूहों तक सीमित।                    | समाज के सभी वर्गों में व्यापक भागीदारी।   |
| प्रमुख नेता | भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद, खुदीराम                     | गाँधी, नेहरू, पटेल और अन्य।   |

| पहलू     | क्रांतिकारी   | राष्ट्रवादी                                      |
|----------|---|--|
|          | बोस।  |  |
| उद्देश्य | सशस्त्र प्रतिरोध के माध्यम से ब्रिटिश शासन का विस्थापन। | संवैधानिक साधनों के माध्यम से क्रमिक स्वतंत्रता। |

#### क्रांतिकारियों हेतु प्रमुख चुनौतियाँ

- **सीमित समर्थन:** उनके क्रांतिकारी तरीकों ने अक्सर उदारवादी नेताओं और जनता को पृथक किया।
- **ब्रिटिशों द्वारा दमन:** कठोर दमन, जिसमें फांसी और निर्वासन शामिल थे, ने क्रांतिकारी समूहों को कमजोर कर दिया।
- **संसाधन की कमी:** धन और समन्वय की कमी ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई में बाधा उत्पन्न की।

#### क्रांतिकारी आंदोलनों की विरासत

- क्रांतिकारियों ने अपने साहस और बलिदान से भावी पीढ़ियों को प्रेरित किया।
- न्याय और समानता की उनकी विचारधारा ने स्वतंत्रता पश्चात की सामाजिक-आर्थिक नीतियों को प्रभावित किया।
- भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त द्वारा असेंबली बम विस्फोट (1929) जैसे प्रतिरोध स्वतंत्रता की लड़ाई के प्रतीक बने हुए हैं।

क्रांतिकारी आंदोलन मुख्यधारा के राष्ट्रवादी प्रयासों की पद्धतियों और विचारधारा में भिन्न थे, लेकिन उनका लक्ष्य ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन को समाप्त करना था। उनके कार्य और बलिदान ने न केवल बड़े स्वतंत्रता संग्राम को पूरक बनाया, बल्कि भारत के इतिहास में देशभक्ति और लचीलेपन की एक स्थायी विरासत भी छोड़ी।